केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्तर्गत प्राकृत योजना से प्रकाशित ग्रन्थों की सूची

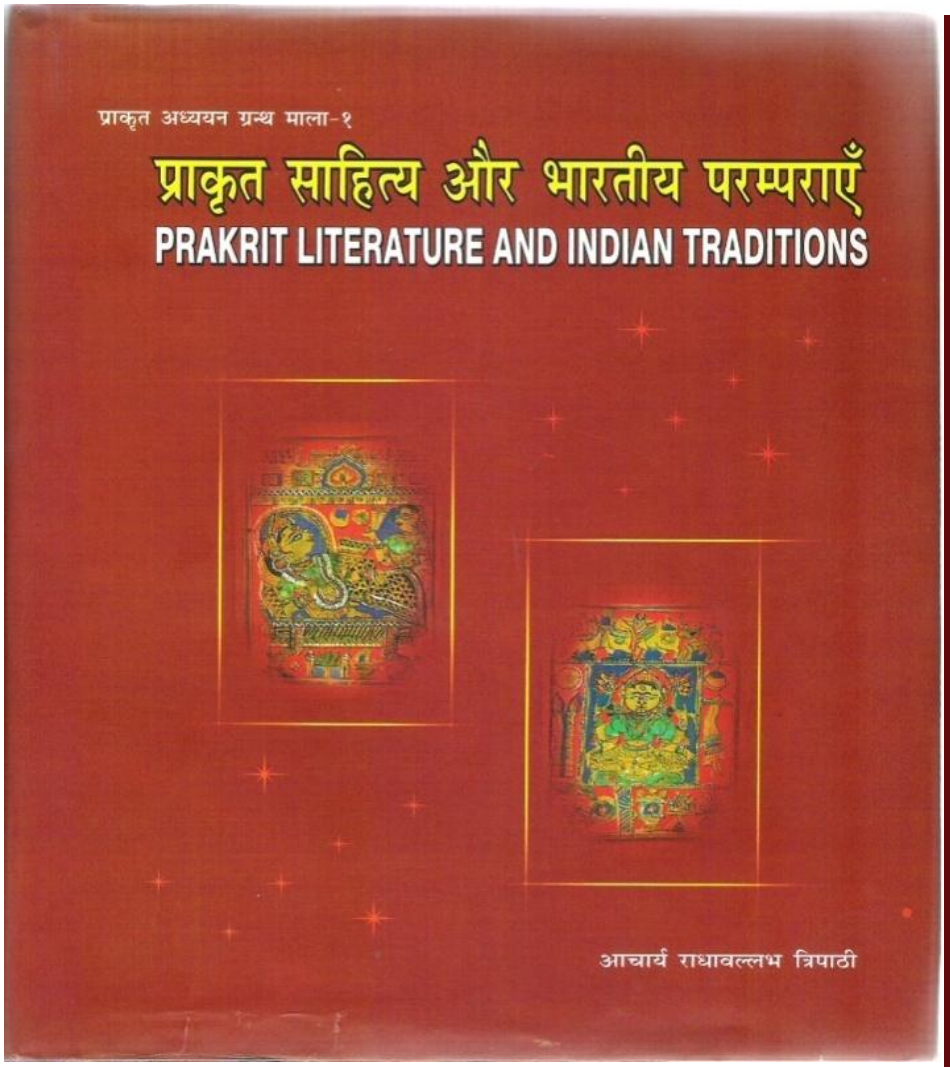

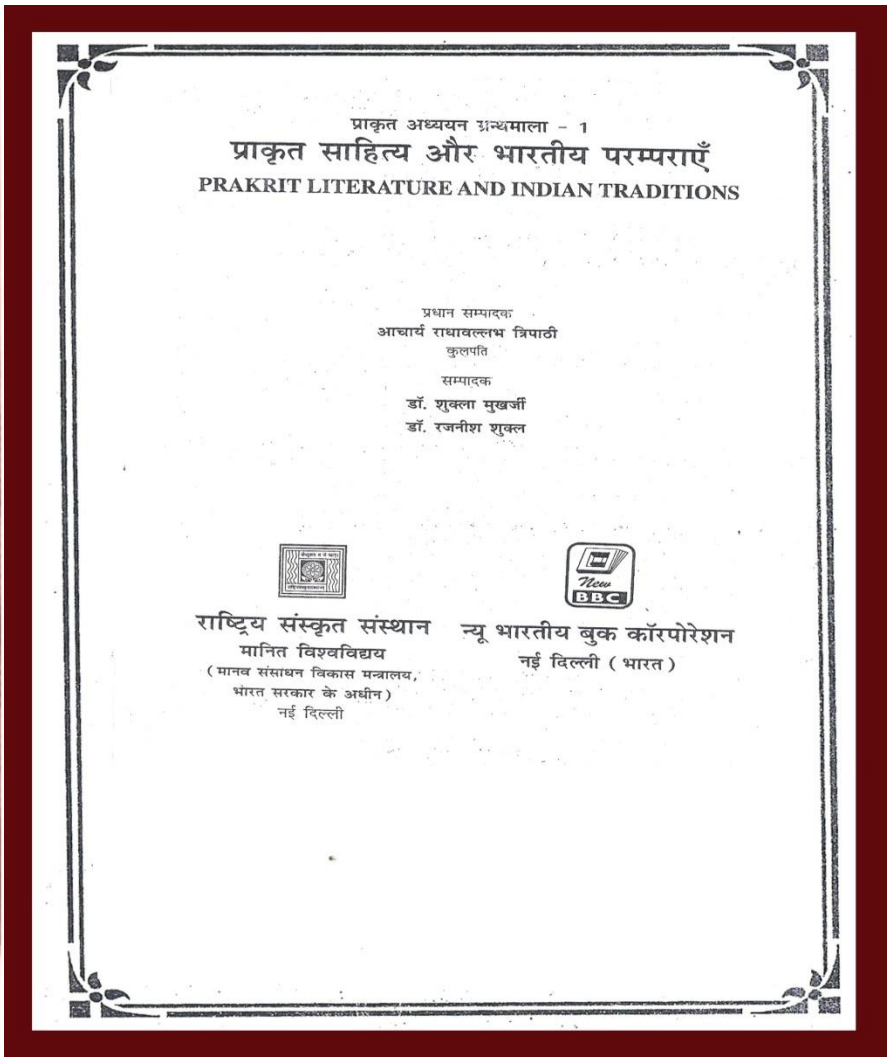

मूल्य- 2000/- 40% छूट = 1200/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

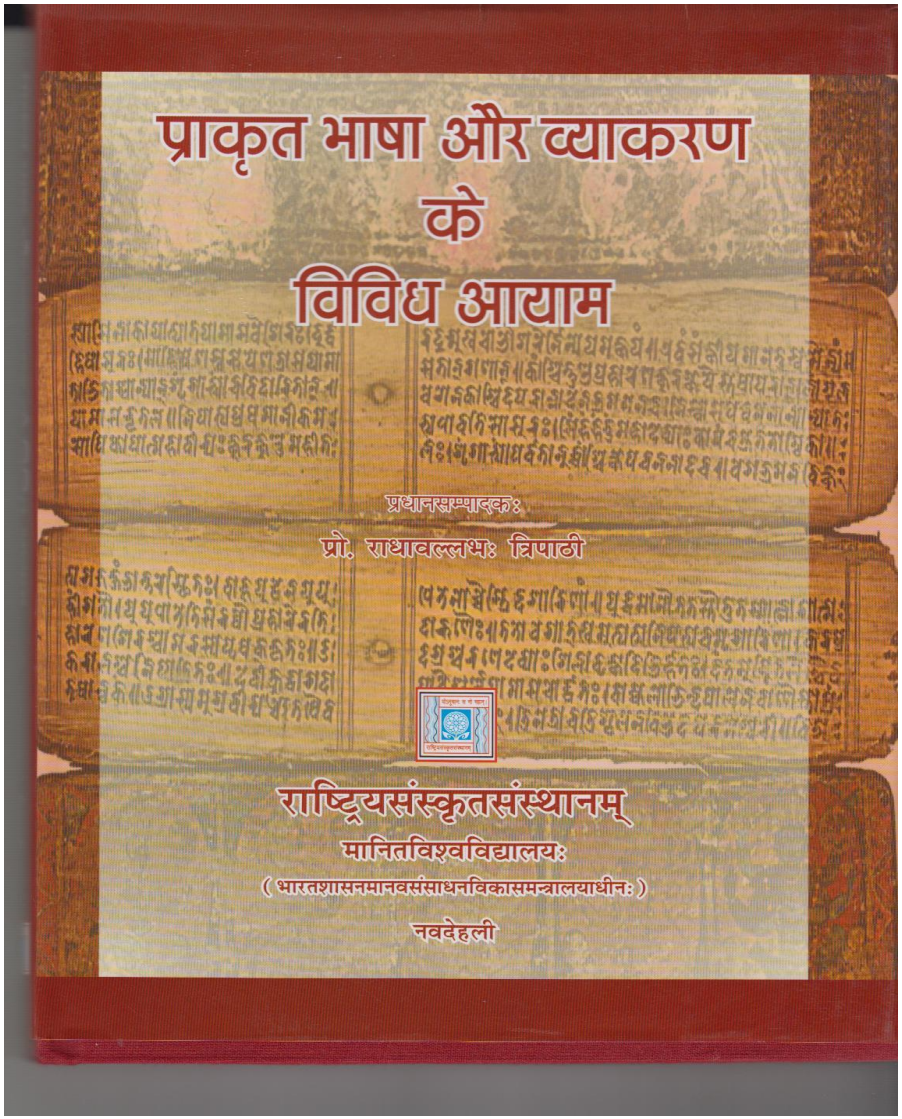

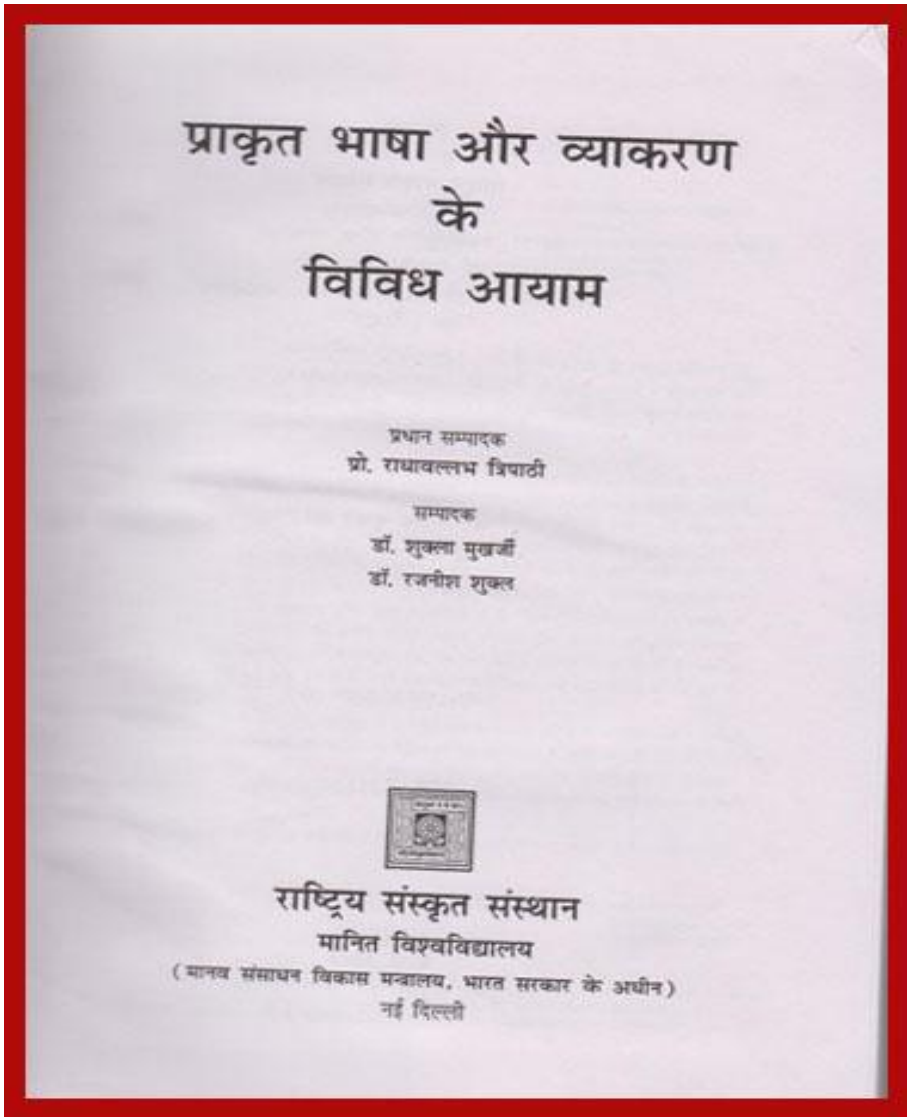

मूल्य- 235/- 40% छूट = 141/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

प्रकाशकः
प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)
(भारतसर्वकारस्य मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयाधीनम्)
जयपुरपरिसरः, जयपुरम्

आख्यानकमणिकोशः

आचार्यश्रीनेमिचन्द्रसूरिग्रथितः

आख्यानकमणिकोशः

(श्रीमदाम्रदेवसूरिसन्दब्धया वृत्त्या समलङ्कृतः)
प्रथमो भागः (चतुर्विधबुद्धिवर्णनाधिकारः)

सम्पादनमनुवादश्च
डॉ० तारा डागा

मूल्य- 170/- 40% छूट = 102/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

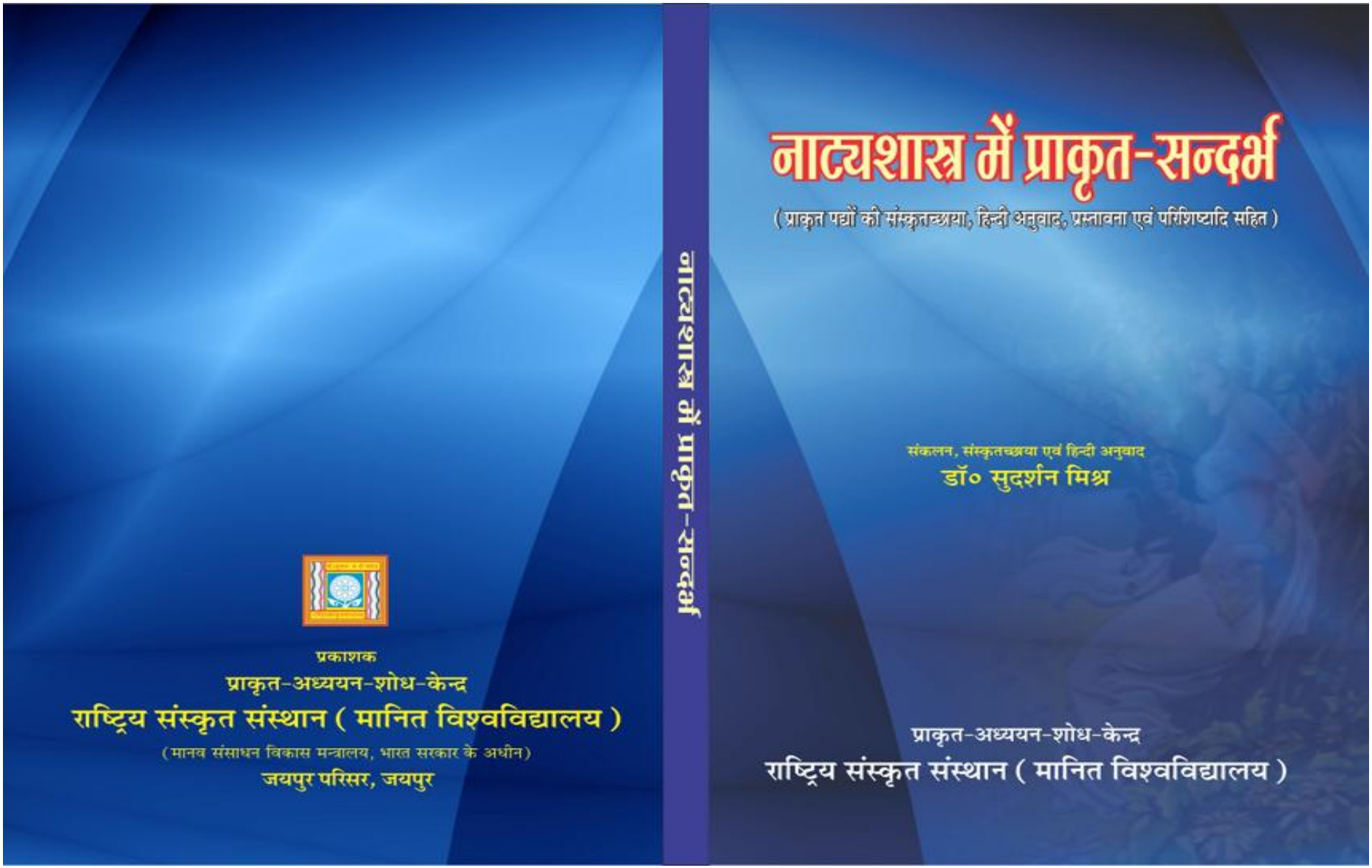

मूल्य- 160/- 40% छूट = 96/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

आइरियभद्दबाहुविरइओ

किरियासारो

(आचार्यभद्रबाहुविरचितः क्रियासारः)

संस्कृतच्छाया सम्पादनमनुवादश्च

डॉ० धर्मेन्द्रजैनः

प्रकाशकः

प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)

(भारतसर्वकारस्य मानवसंसाधनविकाससमन्त्रालयाधीनम्)

जयपुरपरिसरः, जयपुरम्

प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)

मूल्य- 60/- 40% छूट = 36/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

प्रकाशक:
प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)
(भारतसर्वकारस्य मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयाधीनम्)
जयपुरपरिसरः, जयपुरम्

मुणिपोम्मसिंहविरइओ

णाणसारो

(मुनिपद्मसिंहविरचितो ज्ञानसारः)

संस्कृतच्छाया सम्पादनमनुवादश्च

डॉ० धर्मेन्द्रजैनः

प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)

मूल्य- 75/- 40% छूट = 45/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

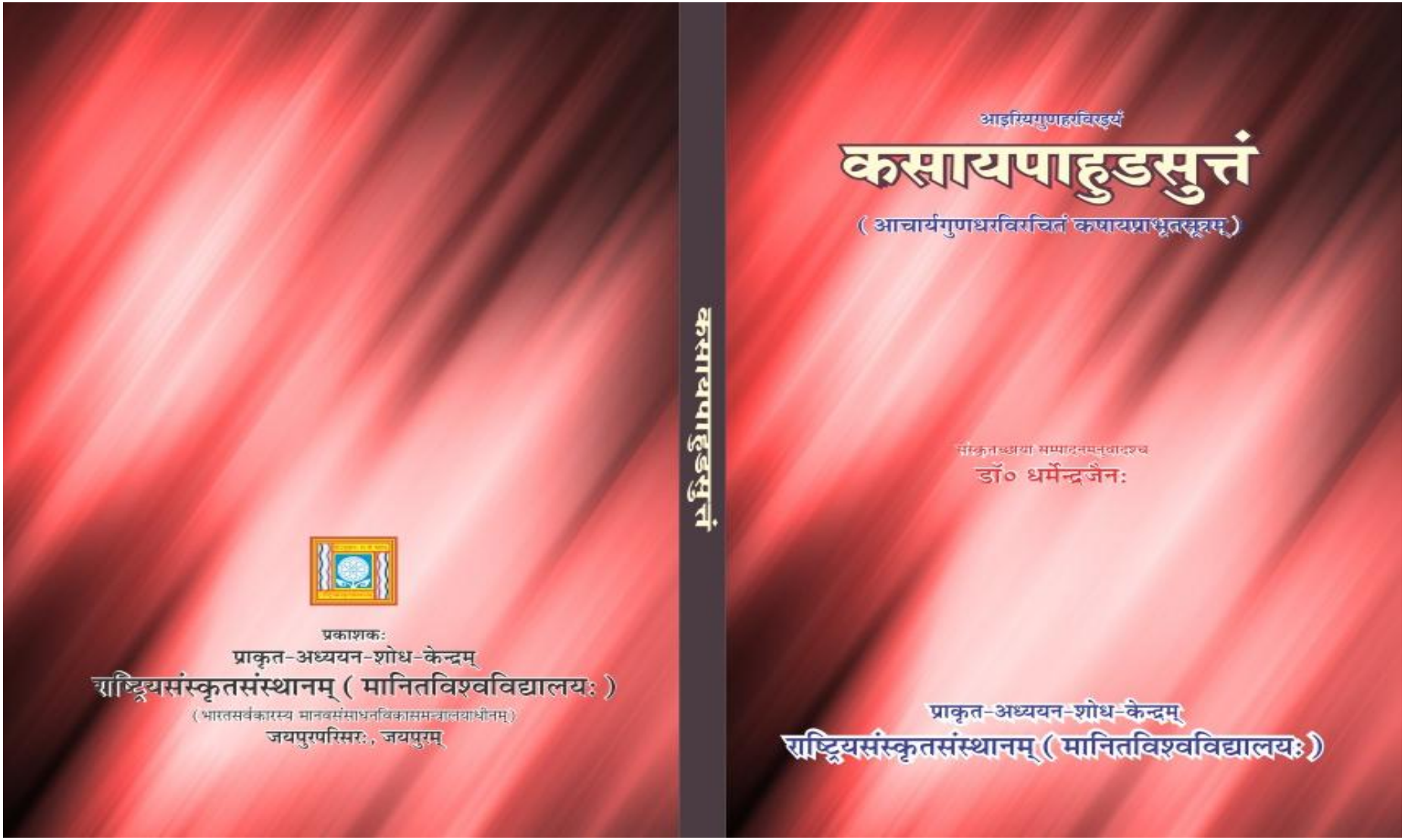

मूल्य- 120/- 40% छूट = 72/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

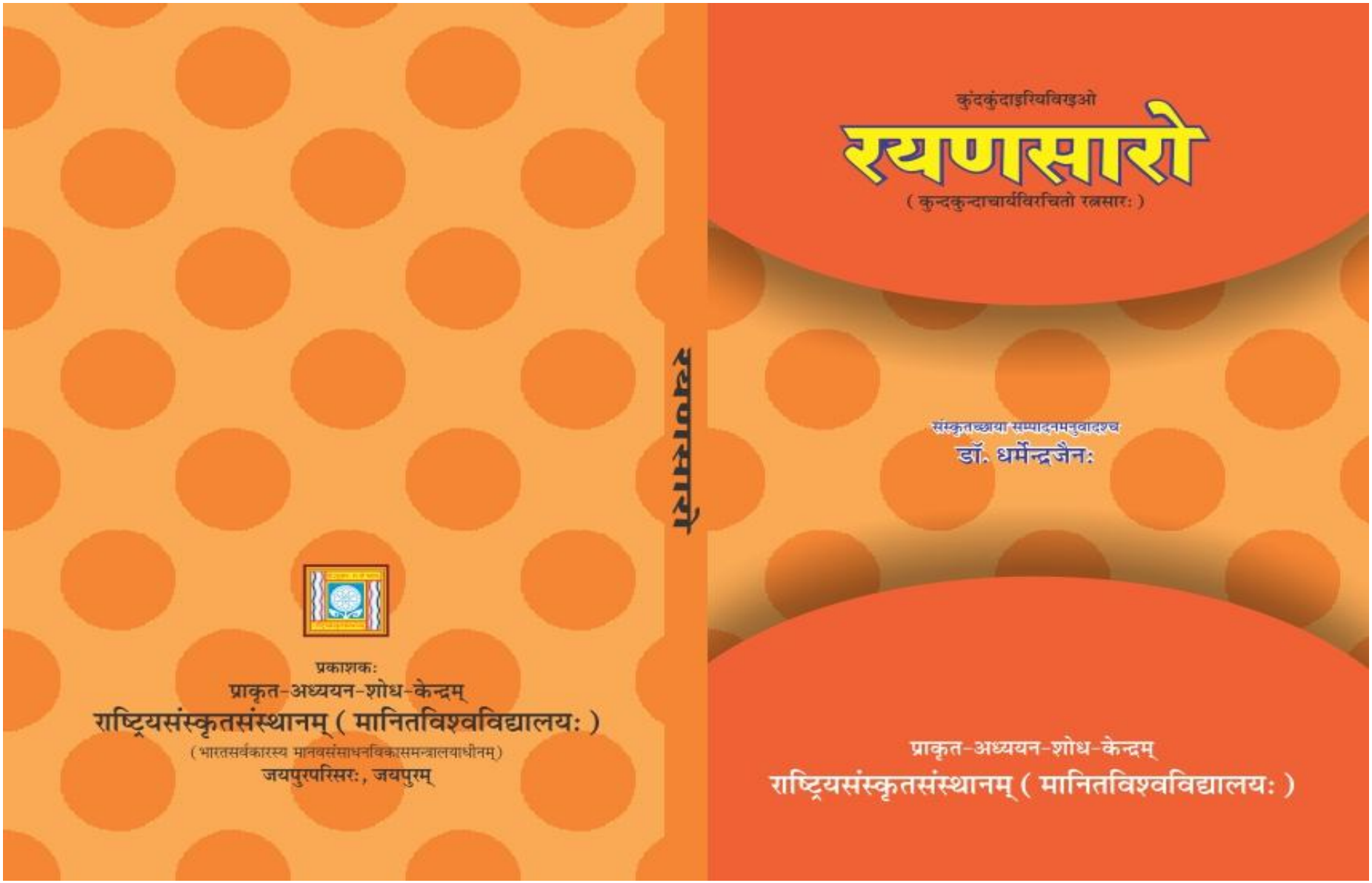

मूल्य- 100/- 40% छूट = 60/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

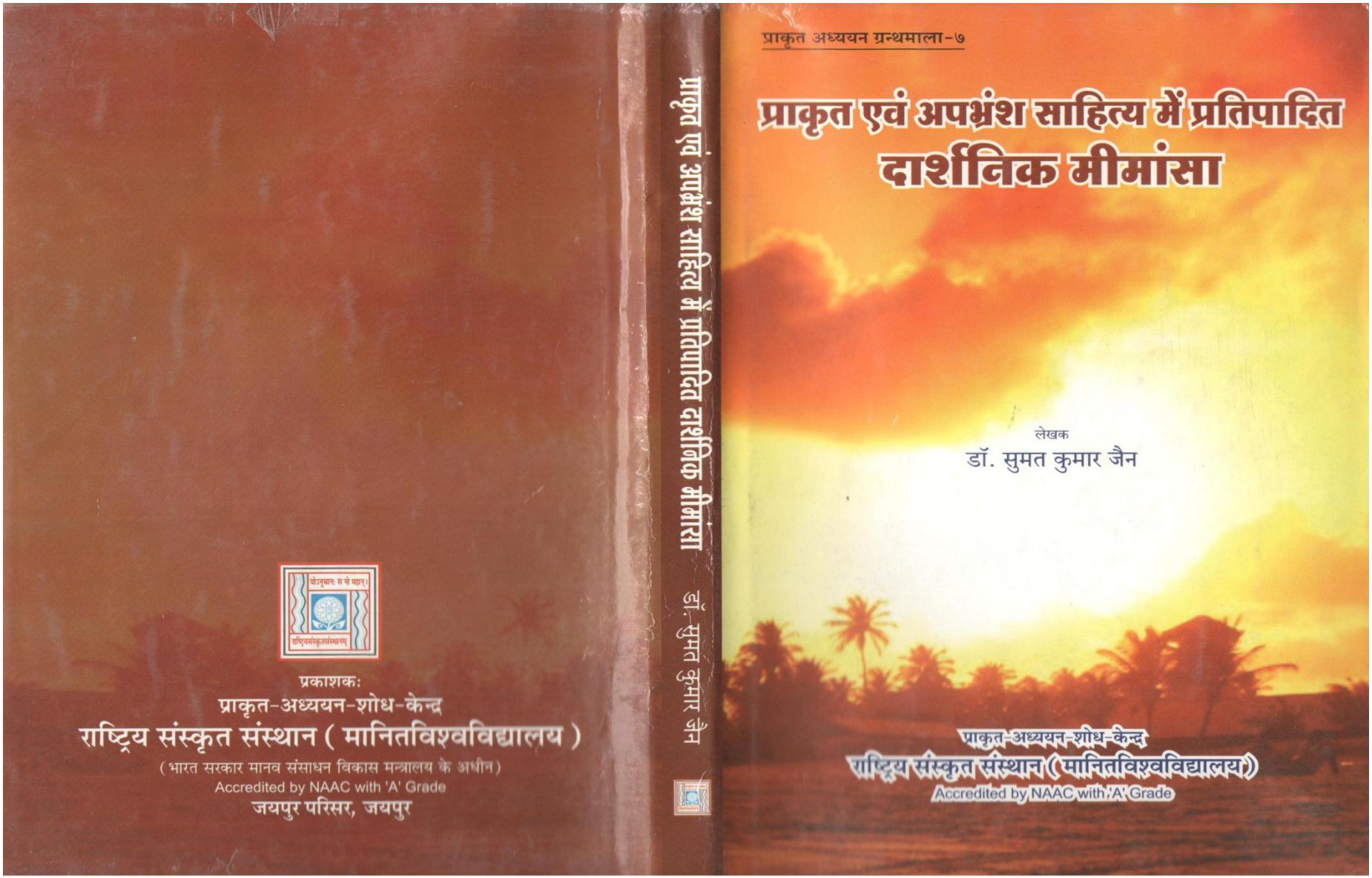

मूल्य- 125/- 40% छूट = 75/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

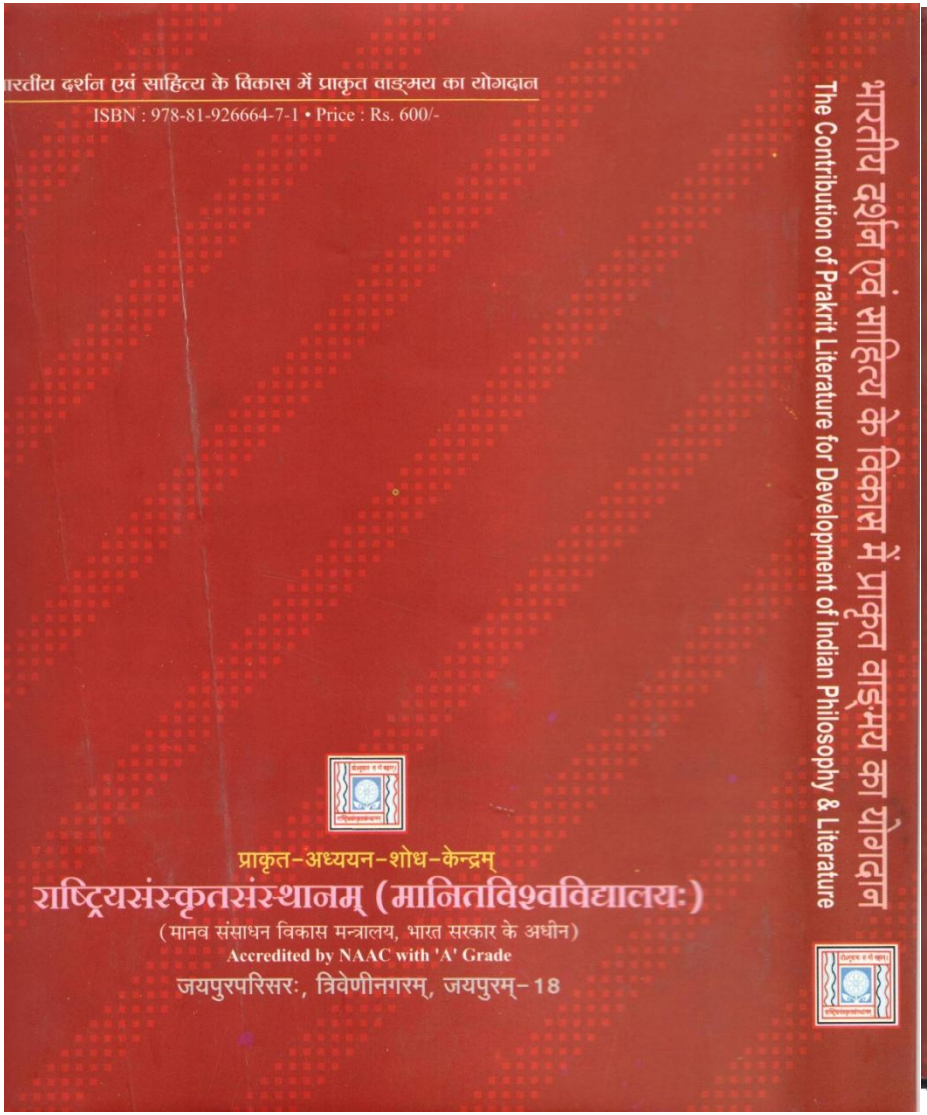

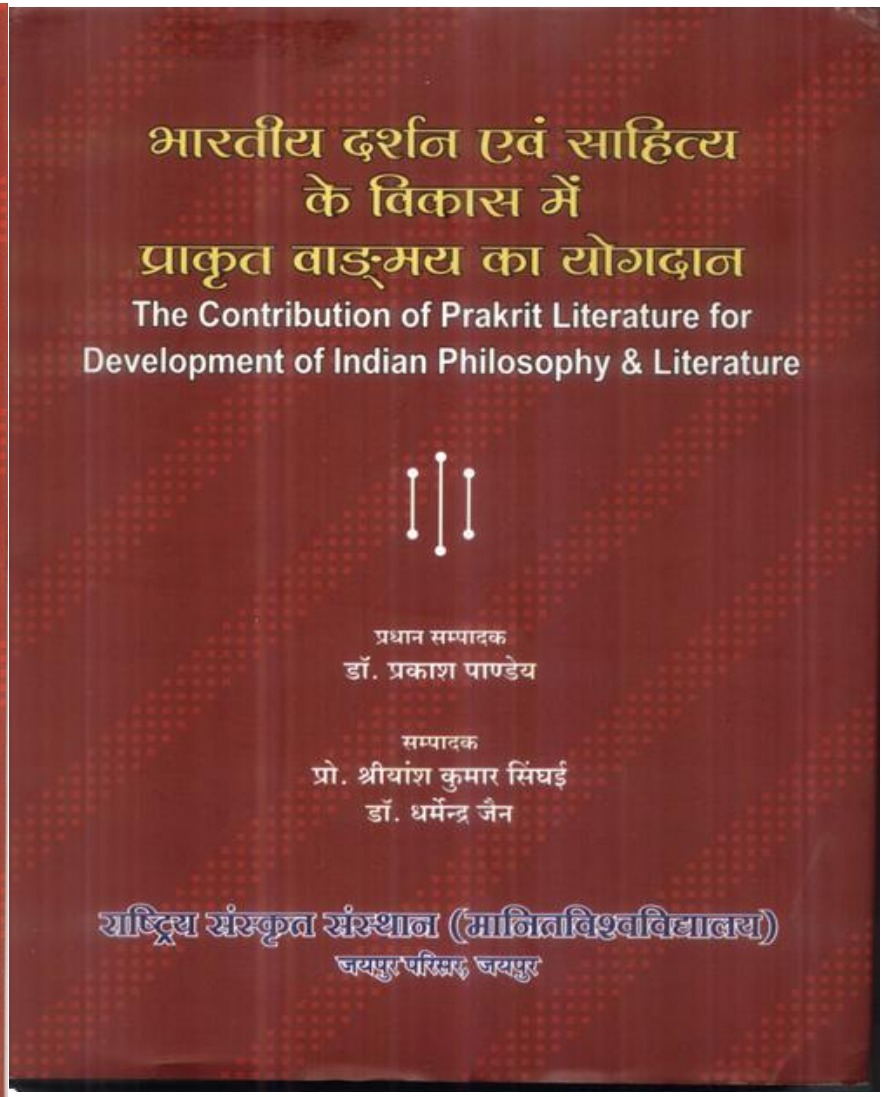

मूल्य- 600/- 40% छूट = 360/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

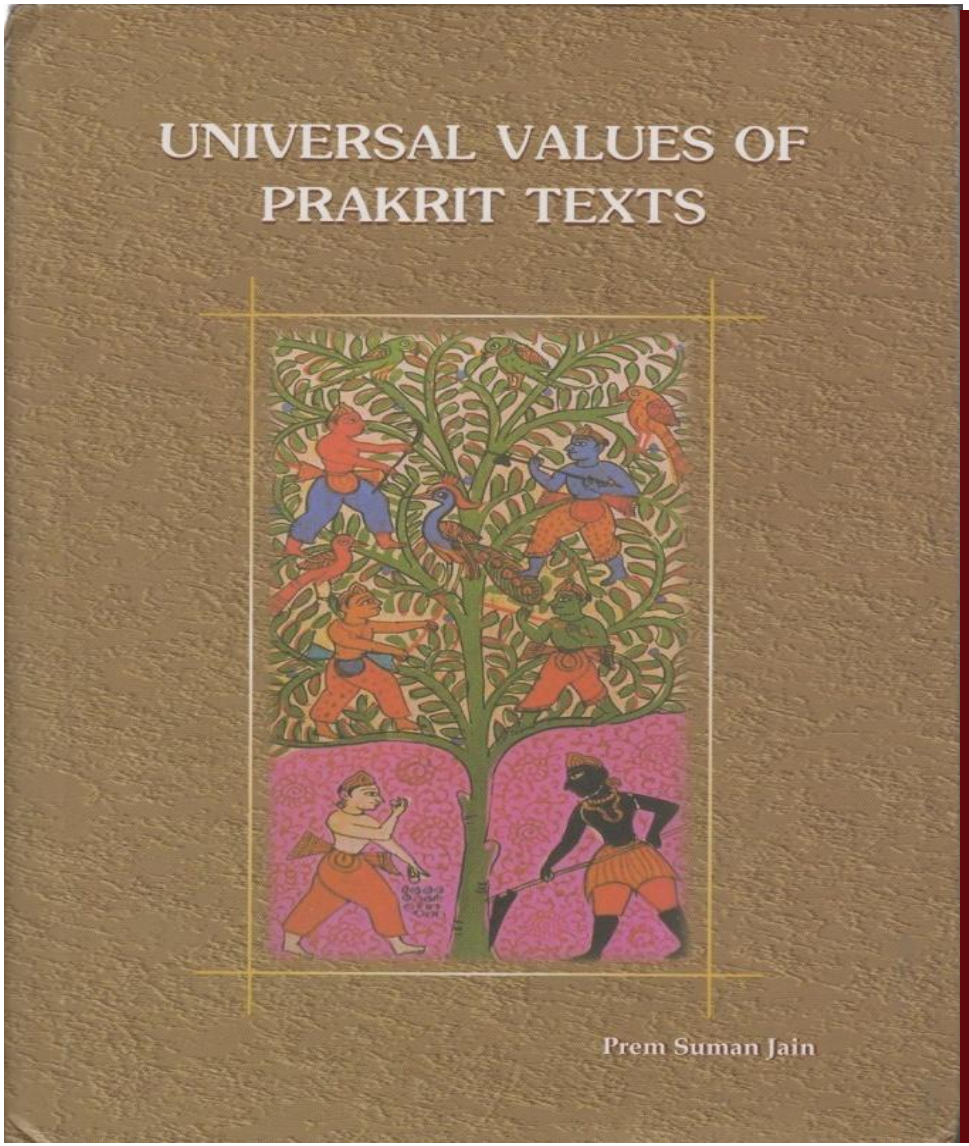

UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS

(Proceeding of the International Prakrit Seminar, Shravanabelagola)

Chief Editor

Prof. R.V. Tripathi
Vice Chancellor,
Rashtriya Sanskrit Santhan, New Delhi

Editors

Prof. Prem Suman Jain
Director
Bahubali Prakrit Vidyapeeth (R.)
Shravanabelagola

Dr. Shukla Mukharjee
Project Officer
Rashtriaya Sanskrit Sansthan
New Delhi

: Jointly Published by :

Bahubali Prakrit Vidyapeeth (R.)
National Institute of Prakrit Studies and Research
Shri Dhavala Teertham
Shravanabelagola - 573 135
Karnataka (India)

Rashtriya Sanskrit Sansthan
Deemed University
Under the Ministry of HRD
Govt. of India
56-57, Institutional Area, Janakpuri,
New Delhi - 110 058.

मूल्य- 1200/- 40% छूट = 720/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

978-93-85791-31-4

प्राकृत ग्रन्थमाला ⑫

आचार्य शिवार्य-विरचित

भगवदी-आराहणा

सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन

प्राकृत ग्रन्थमाला - 12

आचार्य शिवार्यविरचित

भगवदी-आराहणा

(भगवती-आराधना)

संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन
(आचार्य, एम.फिल, पीएच.डी.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 400/- 40% छूट = 240/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com
फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

78-93-85791-32-1

प्राकृत ग्रन्थमाला 13 गणिविज्जा-सुत्तं सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद : डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन

प्राकृत ग्रन्थमाला - 13

गणिविज्जा-सुत्तं

(गणिविद्या-सूत्रम्)

संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन
(आचार्य, एम.फिल, पीएच.डी.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 150/- 40% छूट = 90/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत
प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com, फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

978-93-85791-36-9

प्राकृत ग्रन्थमाला (14)

विमलसूरि विरचित

पउमचरियं (प्रथम भाग)

सम्पादन, संस्कृतच्छाया व अनुवाद

डॉ. प्रभात कुमार दास

प्राकृत ग्रन्थमाला - 14

विमलसूरि विरचित

पउमचरियं

(पद्मचरितम्)

प्रथम भाग

संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
कुलपति

सम्पादन, संस्कृतच्छाया व अनुवाद
डॉ. प्रभात कुमार दास
आचार्य, पीएच.डी.

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 400/- 40% छूट = 240/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com
फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

प्राकृत ग्रन्थमाला (15) जिनेश्वरसूरिविरचित गाहारयणकोसो सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद डॉ. सुमत कुमार जैन

प्राकृत ग्रन्थमाला - 15

जिनेश्वरसूरिविरचित

गाहारयणकोसो

(गाथारत्नकोशः)

संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

सम्पादन, संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. सुमत कुमार जैन
(एम.ए, पीएच.डी.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 300/- 40% छूट = 180/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

ISBN 978-93-85791-35-2

प्राकृत ग्रन्थमाला ⑯ मुनिश्रीचन्द्रविरचित दंसणकहरयणकरंडु (प्रथम भाग) पाण्डुलिपि सम्पादन एवं हिन्दी-अनुवाद डॉ. धर्मेन्द्र जैन

प्राकृत ग्रन्थमाला - 16

मुनिश्रीचन्द्रविरचित

दंसणकहरयणकरंडु

(दर्शनकथारत्नकरण्डः)

प्रथम भाग

हिन्दी-अनुवाद सहित

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

पाण्डुलिपि सम्पादन एवं हिन्दी-अनुवाद
डॉ. धर्मेन्द्र जैन
(एम.ए, पीएच.डी.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 200/- 40% छूट = 120/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com
फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

778-93-85791-36-9

प्राकृत ग्रन्थमाला ⑰ मागधी प्राकृत की विभाषाएँ लेखक एवं सम्पादक डॉ. सुदर्शन मिश्र

प्राकृत ग्रन्थमाला - 17

मागधी प्राकृत की विभाषाएँ

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
(एम.ए, पीएच.डी. डी.लिट्)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 300/- 40% छूट = 180/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

78-93-85791-37-6

प्राकृत ग्रन्थमाला (18)

मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश

लेखक एवं सम्पादक डॉ. सुदर्शन मिश्र

प्राकृत ग्रन्थमाला - 18

मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
(एम.ए, पीएच.डी., डी.लिट्)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 250/- 40% छूट = 150/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर,गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत
प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा-सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं - प्रथम भाग (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
56-57 सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058
ईमेल - rskspp2009@gmail.com फोन - 011-28520979, फैक्स- 011-28520976

978-93-85791-38-3

प्राकृत ग्रन्थमाला ⑲

मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र

प्राकृत ग्रन्थमाला - 19

मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ

प्रधान-सम्पादक
प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री
(कुलपति)

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
(एम.ए, पीएच.डी., डी.लिट्.)

पालि-प्राकृत योजना
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानितविश्वविद्यालय)
जनकपुरी, नई दिल्ली

मूल्य- 300/- 40% छूट = 180/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत–सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद सहित)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत–संस्कृत–हिन्दी कोश
19. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ
20. पालिप्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता
21. प्राकृत भाषाओं की नाट्यसाहित्य में प्रयुक्तियाँ
22. प्राच्या, पैशाची एवं आवन्ती प्राकृत

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास,
त्रिवेणी नगर, जयपुर

ISBN : 978-93-84708-00-9
Price : Rs. 318.00

प्राकृत ग्रन्थमाला
20

अक्खाणयमणिकोसो
(आख्यानकमणिकोशः) बीयो भाओ

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. तारा डागा

प्राकृत ग्रन्थमाला – 20

आचार्यश्रीनेमिचन्द्रसूरिग्रथितः

अक्खाणयमणिकोसो
(आख्यानकमणिकोशः)
बीयो भाओ : दाणसरूववण्णणाधिकारो

प्रधान–सम्पादक
प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य

सम्पादन एवं हिन्दी–अनुवाद
डॉ. तारा डागा
(पूर्व) वरिष्ठ शोध अध्येता (प्राकृत)

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

मूल्य– 318/– 40% छूट = 191/– पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान – प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान– 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोश: (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद सहित)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
19. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ
20. पालिप्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता
21. अक्खाणयमणिकोसो
22. प्राच्या, पैशाची एवं आवन्ती प्राकृत

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास,
त्रिवेणी नगर, जयपुर

ISBN : 978-93-84708-01-6
9 789384 708016
Price : Rs. 428.00

प्राकृत ग्रन्थमाला
21

प्राकृत भाषाओं की नाट्यसाहित्य में प्रयुक्तियाँ

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र

प्राकृत ग्रन्थमाला – 21

प्राकृत भाषाओं की नाट्यसाहित्य में प्रयुक्तियाँ

प्रधान-सम्पादक
प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
एम.ए. (संस्कृत, प्राकृत एवं जैनशास्त्र) पीएच.डी., डी.लिट्

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

मूल्य- 428/- 40% छूट = 257/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोश: (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSAL VALUES OF PRAKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. पउमचरियं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद सहित)
15. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
16. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
17. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
18. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
19. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ
20. पालिप्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता
21. अक्खाणयमणिकोसो (हिन्दी अनुवाद)
22. प्राकृत भाषाओं की नाट्यसाहित्य में प्रयुक्तियाँ

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाईपास,
त्रिवेणी नगर, जयपुर

ISBN : 978-93-84708-02-3
Price : Rs. 428.00

प्राकृत ग्रन्थमाला
(22)

प्राच्या, पैशाची एवं आवन्ती प्राकृत
(लक्षण एवं सन्दर्भ)

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र

प्राकृत ग्रन्थमाला – 22

प्राच्या, पैशाची एवं आवन्ती प्राकृत
(लक्षण एवं सन्दर्भ)

प्रधान-सम्पादक
प्रो. अर्कनाथ चौधरी
प्राचार्य

लेखक एवं सम्पादक
डॉ. सुदर्शन मिश्र
एम.ए. (संस्कृत, प्राकृत एवं जैनशास्त्र) पीएच.डी., डी.लिट्

प्राकृत अध्ययन शोध केन्द्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

मूल्य- 428/- 40% छूट = 257/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

पालि एवं प्राकृत योजना के अन्तर्गत
प्रकाशित प्राकृत ग्रन्थों की सूची

1. प्राकृत साहित्य और भारतीय परम्पराएँ (लेख संग्रह)
2. प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम (लेख संग्रह)
3. आख्यानमणिकोशः (हिन्दी अनुवाद)
4. नाट्यशास्त्र में प्राकृत-सन्दर्भ (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
5. किरियासारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
6. णाणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
7. कसायपाहुडसुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
8. रयणसारो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
9. प्राकृत एवं अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादित दार्शनिक मीमांसा
10. भारतीय दर्शन और साहित्य के विकास में प्राकृत वाङ्मय का योगदान (लेख संग्रह)
11. UNIVERSL VLUES OF PRKRIT TEXTS (लेख संग्रह)
12. भगवदी आराहणा (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
13. गणिविज्जा सुत्तं (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
14. गाहारयणकोसो (संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद)
15. दंसणकहरयणकरंडु, प्रथम भाग (हिन्दी अनुवाद)
16. मागधी प्राकृत की विभाषाएँ
17. मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश
18. मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं सन्दर्भ
19. पउमचरियं
20. अक्खाणयमणिकोसो
21. प्राकृत भाषाओं की नाट्यसाहित्य में प्रयुक्तियाँ
22. प्राच्या, पैशाची एवं आवन्ती प्राकृत

प्राकृत-अध्ययन-शोध-केन्द्रम्
राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)
(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन)
Accredited by NAAC with 'A' Grade
जयपुरपरिसरः, त्रिवेणीनगरम्, जयपुरम्-18

पालि-प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता
Rational Approach & Relevance of Pali Prakrit Literature in Modern Era

प्राकृत ग्रन्थमाला - 23

पालि-प्राकृत साहित्य के व्यावहारिक पक्ष एवं वर्तमान में उनकी उपयोगिता

Rational Approach & Relevance of Pali-Prakrit Literature in Modern Era

प्रधानसम्पादक
प्रो. अर्कनाथ चौधरी

सम्पादक
प्रो. श्रीयांशकुमारसिंघई
डॉ. धर्मेन्द्रजैन
डॉ. जयवन्त खण्डारे

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, जयपुर

मूल्य- 500/- 40% छूट = 300/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - प्राकृत शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणीनगर,गोपालपुरा बाईपास, जयपुर, राजस्थान- 302018

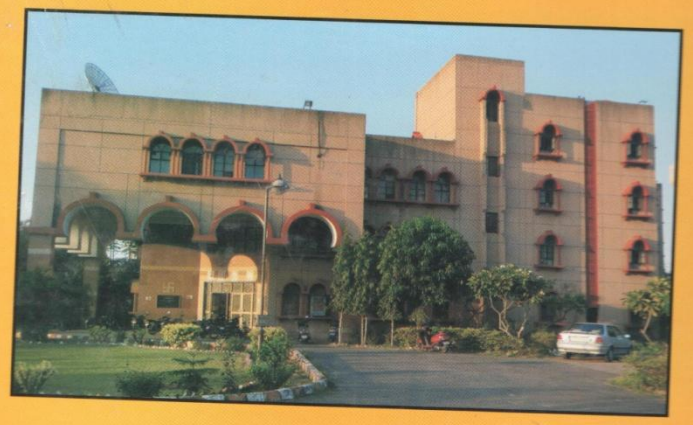

पालि-अध्ययन-केन्द्रम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)

Accredited by 'NAAC' with 'A' Grade

(केन्द्रीय-मानव-संसाधन-विकास-मन्त्रालयाधीनम्)

लखनऊ-परिसरः

पाइअ-सद्द-कोसो

(प्राकृत डिक्शनरी- प्राकृत-रोमन-संस्कृतच्छाया-हिन्दी-अंग्रेजी सहित)

पालि-अध्ययन-केन्द्रम्

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मानितविश्वविद्यालयः)

Accredited by 'NAAC' with 'A' Grade

(केन्द्रीय-मानव-संसाधन-विकास-मन्त्रालयाधीनम्)

लखनऊ-परिसरः

मूल्य- 370/- 40% छूट = 222/- पोस्टेज खर्च पृथक् से होगा	प्राप्ति स्थान - पालि शोधाध्ययन केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशालखण्ड-4, गोमतीनगर, लखनऊ, उत्तरप्रदेश -226010